पीपीपी मॉडल पर प्राइवेट बस स्टेशन बनेगा, जमीन की तलाश

10 एकड़ जमीन पर होगा निर्माण, यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। जिले में प्राइवेट बसों के संचालन के लिए प्राइवेट बस स्टेशन खुलेगा। इसका निर्माण पीपीपी मॉडल (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) पर कराया जाएगा। जल्द जमीन की तलाश शुरू की जाएगी। इसके बाद निर्माण कराया कराया जाएगा।

संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संजय कुमार झा ने बताया कि यूपी स्टेज कैरिज बस स्टेशन, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क नीति-2025 को मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत प्राइवेट बसों के लिए भी बस स्टेशन बनेंगे। इनका निर्माण पीपीपी मॉडल पर कराया जाएगा। बताया कि प्राइवेट बस स्टेशन के निर्माण से जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।

बताया कि नीति के अंतर्गत प्राइवेट बस स्टेशन के लिए 10 एकड़ भूमि आवश्यक है। जिले में दो से अधिक और एक ही मार्ग पर एक से अधिक बस स्टेशन स्थापित करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

पीपीपी मॉडल से स्थापना पर संचालन के लिए पहली बार 10 वर्षों के लिए अनुमति दी जाएगी। आगे 10 वर्षों के लिए नवीनीकरण हो सकता है। यहां यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए डीएम के यहां आवेदन होगा।

अभी नहीं हैं प्राइवेट बस स्टेशन

जिले में अभी प्राइवेट स्टेज कैरिज बस और कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस के लिए स्टेशन नहीं हैं। ऐसे में प्राइवेट बसों का संचालन नौसड़ के समीप पेट्रोल पंप से किया जाता है। ज्यादातर बसें सड़क पर ही खड़ी होती हैं, इससे मुख्य मार्ग पर जाम लगता है। प्राइवेट बसों के संचालन के बस स्टेशन बन जाने से जाम की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं लोगों को एक निश्चित स्थान मिल जाएगा जहां पहुंचकर वह प्राइवेट बसों को पकड़ सकेंगे।

बदल रहा है गोरखपुर

गोरखपुर मंडल में बनेगी 1,288 डिजिटल लाइब्रेरी, 51.52 करोड़ जारी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर मंडल में 1,288 डिजिटल लाइब्रेरी बनेगी। सरकार ने इसके लिए 51.52 करोड़ जारी रुपये जारी कर दिए हैं। एक लाइब्रेरी में चार लाख रुपये खर्च होंगे। इसके तहत गोरखपुर में 473, देवरिया में 255, कुशीनगर में 359, महाराजगंज में 201 लाइब्रेरी बनेंगी। मंडल स्तर पर ऐसे पंचायत भवन का चयन कर लिया गया है।

गोरखपुर में 473, देवरिया में 255, कुशीनगर में 359, महाराजगंज में 201 जगह बनेंगी

राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्र में पढ़ने वाले बच्चों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए डिजिटल लाइब्रेरी में काम कर रही है। इसके तहत गोरखपुर मंडल के ऐसे गांव जहां पंचायत भवन में तीन या तीन से अधिक कमरे हैं वहां डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएंगी। उपनिदेशक पंचायती राज हिमांशु शेखर पाठक ने बताया कि एक लाइब्रेरी बनाने के लिए चार लाख रुपये दिए जाएंगे।

इसमें दो लाख रुपये फर्नीचर, हार्डवेयर, एलईडी टीवी, कंप्यूटर, नेटवर्किंग आदि पर खर्च किए जाएंगे। दो लाख रुपये किताबें, ऑनलाइन बुक और 10 प्रतिशत राशि डिजिटल कंटेंट में खर्च की जाएगी। जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग सीडीओ की अध्यक्षता में बनी कमेटी करेगी।